अभी छूने हैं और भी आसमां...

CBSE 10th CGPA-10

दीक्षा तोमर सेंट मेरी स्कूल | अभिनव शर्मा सेंट मेरी स्कूल | करन गुलाटी सेंट मेरी स्कूल | ऋतिका जुयाल सेंट मेरी स्कूल

सुरभि चौहान सेंट मेरी स्कूल | प्रांजल गुलाटी सेंट मेरी स्कूल | आंचल शर्मा सेंट मेरी स्कूल | आयुष वैष्णव सेंट मेरी स्कूल

यामिनी भट्ट गौतम इंटरनेशनल | निधि सेमवाल गौतम इंटरनेशनल | उज्जवल मित्तल गौतम इंटरनेशनल | शुभम पुरोहित गौतम इंटरनेशनल

श्रेय गुप्ता गौतम इंटरनेशनल | कृष्ण कुमार तिवारी ओकग्रोव स्कूल | कुमार मयंक ओकग्रोव स्कूल | अभिनव प्रकाश ओकग्रोव स्कूल

प्रतीक कुमार ओकग्रोव स्कूल | रितेश कुमार ओकग्रोव स्कूल | शोभित सिन्हा ओकग्रोव स्कूल | विशाल कुमार ओकग्रोव स्कूल

अलंकृता सिंह ओकग्रोव स्कूल | अमीषा ओकग्रोव स्कूल | आनंदिता सिंह ओकग्रोव स्कूल | अनन्या थपलियाल ओकग्रोव स्कूल

मोनालिसा ओकग्रोव स्कूल | निकिता गौतम ओकग्रोव स्कूल | पल्लवी कुमारी ओकग्रोव स्कूल | रिया त्यागी ओकग्रोव स्कूल

रोमिला राज ओकग्रोव स्कूल | शैलजा प्रियम ओकग्रोव स्कूल | शालिनी ओकग्रोव स्कूल | शिविका ओकग्रोव स्कूल

युक्ति शर्मा ओकग्रोव स्कूल | अभिनव कुमार ओकग्रोव स्कूल | शिवम डंगवाल द इंडियन एकेडमी | विवेक दिल्ली पब्लिक स्कूल

आयुषी दिल्ली पब्लिक स्कूल | नमिता दिल्ली पब्लिक स्कूल | ऋषभ दिल्ली पब्लिक स्कूल | तान्या रावत केंद्रीय विद्यालय एफआरआई

गौरव बरमोला केंद्रीय विद्यालय एफआरआई | तनिष्क रावत केंद्रीय विद्यालय एफआरआई | असित दुआ केंद्रीय विद्यालय एफआरआई | प्रणव केंद्रीय विद्यालय एफआरआई

समीक्षा केंद्रीय विद्यालय एफआरआई | कार्तिकी केंद्रीय विद्यालय एफआरआई | गौरव मौर्य द कैंब्रिज स्कूल | आकांक्षा यादव द कैंब्रिज स्कूल

मनीष पंवार द कैंब्रिज स्कूल | गौतम बांगा द कैंब्रिज स्कूल | गुंजन गुसाईं फिलफॉट स्कूल | खुशबू गोस्वामी अपोलो इंटरनेशनल

सीबीएसई दसवीं का रिजल्ट में बेहतर सीजीपीए हासिल करने पर खुशी मनातीं दिल्ली पब्लिक स्कूल की छात्राएं।

29.73 % 75 फीसदी से अधिक अंकों से पास होने वाले छात्र-छात्राओं का प्रतिशत

32.58 % 60 से 75 प्रतिशत तक अंक पाने वाले कुल छात्र छात्राओं का प्रतिशत

देहरादून रीजन सातवें स्थान पर

इस बार तिरुअनंतपुरम रीजन रहा अव्वल, तोड़ी चेन्नई की बादशाहत

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। इस साल 10वीं की परीक्षा में 13,26,100 परीक्षा में बैठे थे। पहली बार रीजन बने तिरुअनंतपुरम ने बरसों से चली आ रही चेन्नई की बादशाहत को खत्म कर टॉप किया है।

तिरुअनंतपुरम का पास प्रतिशत 99.96 फीसदी रहा है। चेन्नई ने 99.68 के साथ दूसरा और 99.51 फीसदी साथ पटना ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। चौथे स्थान पर पंचकूला का पास प्रतिशत 99.43 रहा है। इलाहाबाद और भुवनेश्वर रीजन छठे स्थान पर हैं, दोनों का पास प्रतिशत 99.31 फीसदी रहा। वहीं, पहली बार रीजन बने देहरादून ने 99.07 प्रतिशत से सातवां स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली बीते साल से एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर है। वहीं गुवाहाटी रीजन 92.63 फीसदी के साथ नवें स्थान पर है। दून और पटना को छोड़ दें तो बाकी रीजन में लड़कियां आगे हैं। तिरुअनंतपुरम में लड़कियों का पास प्रतिशत सौ है।

सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के नतीजों में भी गिरावट दर्ज हुई है। सरकारी स्कूलों का रिजल्ट 97.55 फीसदी रहा है, जो कि बीते साल के मुकाबले 0.24 फीसदी कम है। सहायता प्राप्त स्कूलों का रिजल्ट 97.62 फीसदी रहा है।

नवोदय, सेंट्रल तिब्बतन स्कूलों का प्रदर्शन अच्छा

स्कूल के आधार पर नतीजों पर नजर डालें तो नवोदय और सेंट्रल तिब्बतन स्कूलों का प्रदर्शन अच्छा रहा है। नवोदय स्कूलों का रिजल्ट 99.80 फीसदी रहा, जबकि सेंट्रल तिब्बतन स्कूलों का रिजल्ट 99 फीसदी है। उसके बाद केंद्रीय विद्यालयों के 99.46 फीसदी छात्र पास हुए हैं। प्राइवेट स्कूल चौथे नंबर पर हैं। इनका पास प्रतिशत 99.44 फीसदी रहा है। प्राइवेट स्कूलों के नतीजों में 0.2 फीसदी की गिरावट आई है।

ग्रेड सुधार के लिए 16 जुलाई को परीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली/ देहरादून। सीबीएसई दसवीं में खराब ग्रेड में सुधार के लिए सिर्फ ऑनलाइन आवेदन लेगा। छात्रों को सेंटरों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्कूल आधारित परीक्षा में शामिल छात्रों को स्कूल में ही आवेदन करना होगा। स्कूल ही उसकी जांच कर परिणाम देगा। हर विषय के लिए 200 रुपये चुकाने होंगे। प्रति विषय 500 रुपये चुकाने पर छात्रों को पांच दिन में रिजल्ट आ जाएगा। इस सत्र में फेल हुए छात्रों को सिर्फ एक मौका मिलेगा। अगर वे पास नहीं हुए तो उन्हें दोबारा दसवीं में एडमिशन लेना पड़ेगा। सीबीएसई दून रीजन के निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिन छात्रों के रिजल्ट में ईआईओपी लिखा हुआ है, वे ग्रेड सुधार पेपर देंगे। दून रीजन में ऐसे छात्रों की संख्या 1116 है।

इस तरह करें आवेदन

- परिणाम के 21 दिन के भीतर आवेदन करें
- 21 दिन बाद लेट फीस के साथ 30 जून तक कर सकते हैं आवेदन
- सत्यापन के लिए सीबीएसई वेबसाइट से आवेदन पत्र डाउनलोड करें
- अंकों के सत्यापन के लिए प्रति विषय 200 रुपये शुल्क देनी होगी
- लेट फीस के साथ 500 रुपये की फीस के साथ तत्काल सत्यापन की सुविधा भी है
- 16 जुलाई को ग्रेड सुधार परीक्षा होगी

टेंशन न पसीना, पा लिया 10 सीजीपीए

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। बोर्ड परीक्षा का नाम सुनते ही छात्रों को पसीने छूटना आम है, लेकिन सीबीएसई का ग्रेडिंग फंडा छात्रों के लिए राहत भरा साबित होने लगा है। इस बार 10 सीजीपीए पाने वाले छात्रों का कहना है कि दो साल का वक्त कब हंसते-हंसते कट गया, पता ही नहीं चला। न पढ़ाई कभी बोझ लगी, न बोर्ड एग्जाम की टेंशन हुई।

केवी ओएनजीसी की छात्रा नेहा जौहरी का कहना है कि ग्रेडिंग से कभी एग्जाम या रिजल्ट का प्रेशर नहीं रहा। हालांकि असल प्रतिशतता न जान पाने पर वह निराश भी नजर आई। दून इंटरनेशनल स्कूल के छात्र हर्षवर्द्धन टंडन का कहना है कि वह बमुश्किल दो से तीन घंटे रेगुलर स्टडी करते थे। छात्रा कनुप्रिया भाटिया, छात्र मानस, अपूर्वा, शोभित सिंह ने भी कहा कि ग्रेडिंग पैटर्न की वजह से उन पर प्रतिशतता का बोझ नहीं था। आसान व सतत पढ़ाई से उन्होंने 10 सीजीपीए प्राप्त किया है।

इस तरह निकालें अपनी मेरिट

ग्रेडिंग सिस्टम के मुताबिक 91 से 100 लाने वाले छात्रों को ए-1 ग्रेड के साथ 10 ग्रेड प्वाइंट दिए गए। इस हिसाब से अगर पांचों विषयों में किसी को ए-1 के साथ 10-10 ग्रेड प्वाइंट मिले हैं तो टोटल सीजीपीए 10 हो जाएगा। ऐसे छात्रों को ही सीबीएसई ने मेरिट सर्टिफिकेशन दिया है, यानी 10 सीजीपीए पाने वालों की सूची ही बोर्ड की मेरिट लिस्ट है। ग्रेड प्वाइंट 10 से लेकर 9.2 तक लाने वालों को ए-1, 9.0 से 8.2 वालों को ए-2, 8.0 से 7.2 वालों को बी-1, 7.0 से 6.2 वालों को बी-2, ग्रेड प्वाइंट 6.0 से लेकर 5.2 ग्रेड प्वाइंट तक के छात्रों को सी-1, 5.0 से 4.2 वालों को सी 2 और 4 ग्रेड प्वाइंट वालों को डी ग्रेड प्रदान किया गया है।

दून रीजन के स्कूलों की परफार्मेंस

इंडिपेंडेंट स्कूल
उत्तीर्ण छात्र: 1,20,475 छात्र
उत्तीर्ण प्रतिशत: 99.10 प्रतिशत

केंद्रीय विद्यालय
उत्तीर्ण छात्र: 7,385 छात्र उत्तीर्ण
उत्तीर्ण प्रतिशत: 99.46

नवोदय विद्यालय
उत्तीर्ण छात्र: 1983
उत्तीर्ण प्रतिशत: 99.85

तिब्बतन सेंट्रल स्कूल
उत्तीर्ण छात्र: 118
उत्तीर्ण प्रतिशत: 100

विशेष श्रेणी के छात्रों का पास प्रतिशत 96.60 फीसदी

नई दिल्ली (ब्यूरो)। देशभर से 2917 छात्र-छात्राएं विशेष श्रेणी के तहत पंजीकृत हुए थे, जिनमें से 2915 ने परीक्षा दी और 2816 पास हुए। इनका पास प्रतिशत 96.60 फीसदी रहा। सबसे ज्यादा 997 छात्र दिल्ली रीजन में रजिस्टर्ड हुए थे। दिल्ली में इस श्रेणी के तहत आने वाले छात्रों का पास प्रतिशत 93.47 फीसदी रहा। देश भर में ऑर्थोपेडिक श्रेणी के तहत सबसे ज्यादा 1502 छात्र और डिसलेक्सिया के तहत 816 छात्र पंजीकृत हुए। *ब्यूरो*

अभिभावक-छात्र दें ध्यान

- नतीजों को लेकर बिल्कुल नहीं घबराएं
- बच्चों के डर से बचाने के लिए बातचीत करें
- बच्चों के सामने अभिभावक अपने डर को उजागर न करें
- बच्चों की तुलना किसी अन्य बच्चे से न करें
- बच्चों को समझाएं कि कम अंक आने पर भी उसके लिए कई विकल्प खुले हैं
- ए ग्रेड मिल जाने पर प्रतिस्पर्धा ज्यादा महसूस न करें
- ग्रेड जो भी हों उन्हें भविष्य से जोड़कर नकारात्मक बात न करें
- इन ग्रेड के आधार पर विषयों का चयन ना करें बल्कि बच्चों का रुझान देखकर ही विषय चुनने में मदद करें

ग्रेड से असमंजस, प्रतिशत जानने के लिए उत्सुक रहते हैं छात्र और अभिभावक

चौथे रिजल्ट में भी संशय बरकरार

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। सीबीएसई को ग्रेडिंग सिस्टम लागू किए भले चार वर्ष हो चुके हों, लेकिन रिजल्ट पर छात्रों-अभिभावकों का संशय चौथे रिजल्ट में भी बरकरार है। दरअसल, ग्रेडिंग में छात्र अपने प्रतिशत अंक नहीं जान पाते। बोर्ड के बताए फार्मूले में कोई भी छात्र 95 प्रतिशत से ऊपर नहीं जाता। बाकी पांच प्रतिशत का घालमेल बोर्ड छात्रों-अभिभावकों को समझा नहीं सका है।

बोर्ड ने वर्ष 2009 में नवीं में ग्रेडिंग की शुरुआत की, जिसके एक साल बाद 10वीं में ग्रेडिंग सिस्टम लागू हुआ। लेकिन पहले ही रिजल्ट से छात्रों, अभिभावकों यहां तक कि स्कूलों में भी असमंजस बन गया। कोई समझ ही नहीं पाया कि किस छात्र को कितने प्रतिशत अंक मिले हैं। अगले साल यानी 2011 में ग्रेडिंग के साथ छात्र की एकेडमिक परफार्मेंस और अन्य गतिविधियों का भी असेसमेंट किया गया। इस बीच ग्रेडिंग पर आपत्तियां सामने आने के बाद बोर्ड ने जागरूकता कार्यक्रम चलाया, लेकिन यह भी अब तक खास फायदेमंद साबित नहीं हो सका है। असल प्रतिशतता जानने के लिए छात्र आज भी उतावले नजर आते हैं। अभिभावकों में भी उत्सुकता बनी रहती है।

ऐसे निकालें प्रतिशत

- विषयवार अंक प्रतिशत के लिए 9.5 गुणा ग्रेड प्वाइंट
- अंकों का समग्र प्रतिशत के लिए 9.5 गुणा सीजीपीए

नोट : सीजीपीए (क्यूमिलेटिव ग्रेड प्वाइंट ऐवरेज) निकालने के लिए पांचों विषयों के ग्रेड प्वाइंट के जोड़ को पांच से भाग कर प्राप्त होने वाले कुल को 9.5 से गुणा करना होगा

रूपसी सिंह अपोलो इंटरनेशनल | दीपक भट्ट एसजीआरआर ऋषिकेश | तबस्सुम जहां एसजीआरआर पटेलनगर | दीक्षा एसजीआरआर पटेलनगर | आरजू अग्रवाल एसजीआरआर पटेलनगर | अंकित जैन एसजीआरआर तालाब | अपूर्वा बिष्ट स्कालर्स होम स्कूल | सौमिनी गुप्ता स्कालर्स होम स्कूल

CBSE 10th CGPA-10

अदिति चौहान शालिनी मेमोरियल स्कूल | आयुषी सकलानी शालिनी मेमोरियल स्कूल | ऐश्वर्या सिरोही शालिनी मेमोरियल स्कूल | मनीषा अधिकारी शालिनी मेमोरियल स्कूल

पल्लवी तिवारी शालिनी मेमोरियल स्कूल | प्रेरणा शर्मा शालिनी मेमोरियल स्कूल | तान्या रैना शालिनी मेमोरियल स्कूल | उर्विजा रावत शालिनी मेमोरियल स्कूल

चित्रांगी पंत एशियन स्कूल | नीलांक्षा जौहर एशियन स्कूल | शौर्य प्रताप सिंह एशियन स्कूल | कोंपल सिन्हा एशियन स्कूल

देवांशी कटियार एशियन स्कूल | आकांक्षा दास एशियन स्कूल | प्रांजल सिन्हा एशियन स्कूल | अनुराग श्री साईं बाबा इंटर नेशनल स्कूल

प्रवींद्र श्री साईं बाबा इंटर नेशनल स्कूल | अपूर्वा मनिहाल दून इंटर नेशनल स्कूल | संयतन भट्टाचार्य दून इंटर नेशनल | दिव्यांशु श्रीवास्तव दून इंटरनेशनल

शुभिका जैन दून इंटर नेशनल स्कूल | अदिति दून इंटरनेशनल स्कूल | कार्तिकेय भारद्वाज दून इंटरनेशनल | कनुप्रिया भाटिया दून इंटरनेशनल

सिद्धार्थ बिष्ट दून इंटर नेशनल स्कूल | पल्लवी जैन दून इंटर नेशनल स्कूल | हर्षवर्द्धन टंडन दून इंटर नेशनल स्कूल | शोभित सिंह दून इंटर नेशनल स्कूल

यामिनी बिष्ट दून इंटर नेशनल स्कूल | आस्था अग्रवाल चिल्ड्रन्स एकेडमी | ऋतिका थापा साईंग्रेस एकेडमी | गुंजन बौठियाल साईंग्रेस एकेडमी

कार्तिक मित्तल केवी ओएनजीसी | मानस उनियाल केवी ओएनजीसी | वैभव राज सिंह केवी ओएनजीसी | शशांक भंडारी केवी ओएनजीसी

मंजुल जोशी केवी ओएनजीसी | संपन्न राजपूत केवी ओएनजीसी | निहारिका पुंडीर केवी ओएनजीसी | सत्यम गुप्ता केवी ओएनजीसी

कुमार कार्तिकेय केवी ओएनजीसी | नेहा जौहरी केवी ओएनजीसी | सिंदूरा रवींद्रम केवी ओएनजीसी | शिवानिका तड़ियाल केवी ओएनजीसी

शुभम बिष्ट केवी ओएनजीसी | ईशा केवी ओएनजीसी | उत्कर्ष शर्मा केवी ओएनजीसी | अखिल जोशी केवी ओएनजीसी

नामेराह अख्तर केवी ओएनजीसी | अक्षिता अमरपुरी केवी ओएनजीसी | गौतम मल्होत्रा केवी ओएनजीसी | मानसी केवी ओएनजीसी